आज की मुरली का सहज सार ---------- Date: 30-07-14

बाबा ने आज बार-बार कहा, यह पुरानी दुनिया अब विनाश होनी हैं, इस लिए इसमें से ममत्व निकाल कर नई दुनिया में डबल सिरताज बनने के लिए यज्ञ सेवा में लग जाना हैं. ईश्वरीय पढ़ाई अच्छी रिति पढ़कर औरो को भी पढ़ानी हैं.

हमारे भारत में हाईस्कूल के फाईनल इयर में पढ़ाई पढ़ रहे बच्चे को इसके लौकिक मां-बाप एक बात बार-बार समझाते हैं की यह तेरा फाईनल इयर हैं, इसमें तेरे अच्छे मार्क आयेंगे तो तुझे अच्छी लाइन मिलेगी और उसके आधार से तेरी बाकी जिंदगी अच्छी बनेगी. ऐसे ही आज हमारे पारलौकिक बाप ने भी हमारे मन को इस पुरानी दुनिया के गोरख-धंधे से निकालने के लिए एक बात बार-बार कही की यह पुरानी दुनिया अब विनाश होनी हैं इस लिए इसमें से ममत्व निकाल नई दुनिया में डबल सिरताज (पवित्रता का और राजाई का ताज दोनों) लेने के लिए इस ईश्वरीय पढ़ाई को अच्छी तरह से पढ़कर धारण करना हैं और दूसरों को भी धारण करवाना हैं. इसलिए ईश्वरीय सेवा में तन-मन-धन-सम्बन्ध-समपर्क और समय-संकल्प-श्वास सबकुछ लगाकर सफल करना हैं.

बाबा के कुछ महावाक्य, जो हमें इस पुरानी दुनिया से वैराग्य दिलाने में मदद करते हैं उसे रिपिट करेंगे.

- बाप कहते हैं - बच्चे, अब यह पुरानी पतित दुनिया पूरी होनी हैं. नई पावन दुनिया स्थापन हो रही हैं. नई दुनिया हैं सतयुग जिसको सुखधाम कहते हैं. यह हैं दुखधाम, इसका अन्त जरूर आना है. फिर सुखधाम की हिस्ट्री रिपिट होनी हैं. सबको यह समझाना हैं.

- बाप कहते हैं - ये भारत ही स्वर्ग था और कोई देश नहीं था. भारतवासी ही असूल में स्वर्ग के निवासी भी बनते हैं. शिवबाबा (भगवान) भी भारत में आकर ही स्वर्ग की स्थापना करते हैं, फिर से कल्प पहले माफिक. ऐसे समझाओ की भारतवासी जाग जायें, बाबा का पैगाम दो, नहीं तो राजधानी कैसे स्थापन होगी. यहॉ मधुबन में बैठ जाने से कुछ नहीं होगा.

- बाप तुम बच्चों से पुछते हैं, तुमको कितने अथाह पैसे दिये, स्वर्ग का मालिक बनाया था फिर वह सब कहा गया? सोचो ऐसे कंगाल कैसे बने? अभी मैं (परमात्मा शिव) आया हूँ, तो तुम कितने पदमापदम भाग्यवान बन रहे हो.

- बाप समझाते है, तुम जानते हो यह पुरानी दुनिया में यहॉ रहना नहीं हैं. यह तो खलास हो जानी हैं. मनुष्यों के पास जो ढेर पैसे हैं वह किसी के हाथ आने नहीं हैं. विनाश होगा तो सब खलास हो जायेगा. कितने माइल में बड़े-बड़े मकान आदि बने हुए हैं, ढेर की ढेर मिल्कियत है, सब खत्म हो जायेगी.

- यह बड़ी-बड़ी बिल्डिंग्स आदि सब खत्म हो जायेगी इसलिए बाप कहते हैं - मीठे-मीठे बच्चों, यह जो कुछ भी तुम देख रहे हो ऐसे समझो यह हैं नहीं.

- अब तुम बच्चों को बाप मिला है, कहते हैं इस दुनिया में तुमको रहना नहीं हैं. यह छी-छी दुनिया हैं.

- अब तो तुम बच्चों को बहुत खुशी होनी चाहिए की हम अभी अमरलोक (सतयुग) में जायेंगे. यह मृत्युलोक का अभी अन्त हैं. तो तुम खुशी का खजाना यहॉ से भरकर जाते हो. तो इस कमाई करने में झोली भरने में अच्छी रीति लग जाना चाहिए. टाइम वेस्ट नहीं करना चाहिए. बस, अभी तो हमको औरों की सर्विस करनी है, झोली भरनी हैं.

- इस समय तो सब तरफ मारामारी चल रही हैं, फिर उन्हों को एरोप्लेन्स अथवा लश्कर आदि कि दरकार नहीं रहेगी. यह सब खलास हो जायेंगे. बाकी थोड़े मनुष्य रहेंगे. दुनिया भी बहुत छोटी रहेंगी, भारत ही रहेगा.

बाबा ने और भी बहुत विनाश के बारे में महावाक्य उच्चारण किये है, जिसे सुनकर हमें पुरानी दुनिया से वैराग्य आ जाये और नयी दुनिया में अपना भाग्य श्रेष्ठ बनाने ईश्वरीय सेवा में लग जाये.

ॐ शांति. Please provide your feedback to Atma Bhai on email: a.brahmin.soul@gmail.com .